

विश्व न्याय मन्दिर

26 नवंबर 2018

विश्व के बहाईयों को

परम प्रिय मित्रों,

संविदा दिवस से लेकर अब्दुल बहा के स्वर्गारोहण के स्मरणोत्सव तक के इस अवधि में प्रत्येक बहाई का हृदय उनकी याद से रोमांचित है जो ईश्वर के रहस्य, बहाउल्लाह की अभेद्य संविदा के केन्द्र, मानवता की एकता के प्रेरणास्रोत, प्रत्येक बहाई आदर्श के मूर्त रूप, परम शक्तिशाली शाखा हैं जिनके तले सभी आश्रय पा सकते हैं। उनका असीमित प्रेम और कोमल सहृदयता आपको आश्वस्त करे तथा अवलंबन प्रदान करे, जब आप उनके इच्छा पत्र और दैवीय योजना द्वारा आप को सौंपे गये विश्वास को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। रात्रि में, उनके आवास के उस पवित्र पक्ष में जहाँ उन्होंने अपना जीवन अपने प्रिय स्वामी से पुनर्मिलन के लिए त्यागा, हम उनके आह्वान के प्रति आपकी निष्ठा की साक्षी देंगे जो बढ़ते अन्याय और विपदा की घड़ी में मानवता के लिए आश्रय निर्माण करने के आप के अथक प्रयासों में परिलक्षित होती है।

मास्टर के स्वर्गारोहण की शताब्दी में तीन संक्षिप्त वर्ष बाकी हैं जब पूरे विश्व भर में बहाई एकत्र होकर रचनात्मक काल की प्रथम शताब्दी में प्रयाण की गई दूरी पर विचार करेंगे। ईश्वर करे कि उनके प्रिय जन, व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से, थोड़ा-थोड़ा तथा दिन-प्रतिदिन उनकी सलाहों को मूर्तरूप दें : प्रभुधर्म के प्रति एक रहें तथा संविदा में दृढ़ रहें; मिथ्यावाद से बचें और कभी दूसरों के बारे में बुरा न बोलें; अपरिचितों की तरह न देखें, बल्कि सभी को एक परिवार का सदस्य मानें; विभेदकारी सिद्धांतों और विरोधी विचारों को त्याग दें तथा एकमात्र उद्देश्य और समान लक्ष्य का अनुसरण करें; सुनिश्चित करें कि बहाउल्लाह का प्रेम अंग-प्रत्यंग में इतना रच बस जाए कि मानव विश्व के उकसावों का कोई असर ना हो; सहृदय और आत्मा के साथ उठ खड़े हों और एकजुट होकर प्रभुधर्म का शिक्षण करें; कंधे से कंधा मिलाकर, एक दूसरे के अत्यंत करीब, प्रत्येक दूसरे की सहायता करते हुए आगे बढ़ें; सुचरित्र, धैर्यता, सामर्थ्य और दृढ़-निश्चयता विकसित करें; इस अनमोल धर्म का मूल्य जानें, इसकी शिक्षाओं का पालन करें, इस राह पर चलें जो सीधी है और इस पथ को लोगों को दिखायें।

हम आप में से प्रत्येक के लिए प्रार्थना करेंगे कि आप उनकी उच्चतम अपेक्षाओं को पूरा कर सकें।

विश्व न्याय मन्दिर